ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-२५
दिनांक- शुक्रवार, २४ अप्रैल, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.७ एवं १९.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८६ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ७४ प्रतिशत, हवा की औसत गति २०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.५ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १९.८ एवं दोपहर में २८.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ८२.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२५-२९ अप्रैल, २०२०)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २५-२९ अप्रैल तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- लगातार नमी भरी हवाओं का प्रवेश एवं वायुमंडल में अन्य अनुकूल मौसमीय परिस्थितियां बने रहने के कारण अगले २८ अप्रैल तक वर्षा की संभावना बनी रहेगी। इस दौरान तराई के जिलों (पूर्वी चम्पारण, चश्चिमी चम्पारण, शिवहर तथा सीतामढ़ी) में बिजली और बज्रध्वनि के साथ वाली आँधी (थन्डरस्ट्रोम) की संभावना है। इन जिलों के कुछ स्थानों पर अधिक वर्षा हो सकती है। मैदानी भागों के जिलों में भी इस अवधि में तेज हवाओं के साथ वर्षा होने की संभावना हैं।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २०-२२ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन २२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

सामान्य सलाह

- सामान्य सलाह- कोरोना वायरस के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए खेतो में एक-दूसरे के बीच सामाजिक दूरी (अर्थात कम से कम १ मीटर यानी ३ फीट की दूरी) बनाए रखें तथा हमेशा मास्क लगाएं।
- किसान भाई आरोग्य सेतु एप इस्तेमाल कर कोराना वायरस के संक्रमण से बच सकते है । इस एप को आसानी से अपने मोबाइल फोन के प्ले स्टोर में जा के डाउनलोड कर सकते है । यह एप आपको आपके आसपास कोरोनावायरस पजिटिव लोगो के बारे में पता लगाने में मदद करेगा ।

• समसामयिक सुझाव

- रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे किड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें।
- मूंग व उरद् की फसलों में सघन रोमोवाली सुंडिया की निगरानी करें। इनके सुंडियो के शरीर के उपर काफी घने बाल पाये जाते है। यह मूंग एवं उरद् के पौधों के कोमल भागों विशेषकर पत्तियों को खाती है। इनकी संख्या अधिक रहने पर कभी-कभी केवल डण्ठल ही शेष रह जाती है। इस प्रकार इस कीट से फसल को काफी नुकसान एवं उपज में काफी कमी आती है। रोक-थाम हेतु फसल में मिथाइल पैराथियान ५० ई०सी० दवा का २ मि०ली०/लीटर या क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल में छिडकाव आसमान साफ रहने पर करें।
- लीची के पेड़ में फल बेधक कीट के शिशु जो उजले रंग के होते हैं। यह फलों के डंठल के पास से फलो में प्रवेश कर गुद्दे को खाते हैं जिससे प्रभावित फल खाने लायक नहीं रहता। इस कीट से वचाव हेतु लीची के पत्तियों एवं टहनियों पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० का १० मि०ली० या कार्बारिल ५० प्रतिशत घुलनशील पॉवडर का २० ग्राम दवा को १० लीटर पानी में घोलकर अप्रैल माह में १५ दिनों के अन्तराल पर प्रति पेड़ की दर से दो छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- भिण्डी में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिण्डी के शीर्ष प्ररोह, पुष्प एवं फल को नुकसान पहुचाती है। इस कीट से बचाव हेतु सर्वप्रथम क्षतिग्रस्त पौधे के भागों व अक्रान्त फल की तुराई कर खेत से अलग कर दें एवं इसके बाद मैलाथियान ५० ई०सी० दवा का १ मि० ली० या डाइमेथोएट ३० ई०सी० का १.५ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार के पंखहीन तथा शरीर पर सफेद दही के रंग का पॉउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुतो की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट ३० ई०सी०दवा का १.० मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रुप से आसमान साफ रहने पर छिडकाव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा में लाल भृंग कीट से बचाव हेतु डाइक्लोरवॉस ७६ इ०सी०/ १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से आसमान साफ रहने पर ही छिड़काव करे।

आज का अधिकतम तापमानः ३१.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.८ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १९.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.१ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी